Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री नरसिंह जी मंत्र ॥

ॐ नृसिंहाय नमः

छह मंत्र • सरल हिंदी भावार्थ सहित

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री नरसिंह जी मंत्र ॥

॥ १. नरसिंह नाम मंत्र ॥

ॐ नृसिंहाय नमः॥

भावार्थ: भगवान नरसिंह को मेरा नमस्कार है।

॥ २. नरसिंह मूल मंत्र ॥

ॐ नृं नृं नृं नरसिंहाय नमः॥

भावार्थ: नृं बीज से युक्त इस मंत्र में भगवान नरसिंह को नमस्कार किया जाता है।

॥ ३. नरसिंह प्रणाम मंत्र ॥

नमस्ते नरसिंहाय प्रह्लादाह्लाददायिने।
हिरण्यकशिपोर्वक्षःशिलाटङ्कनखालये॥

भावार्थ: प्रह्लाद को आनन्द देने वाले भगवान नरसिंह को प्रणाम है। उनके नख हिरण्यकशिपु के शिला जैसे वक्ष को भेदने वाले हैं।

॥ श्री नरसिंह जी मंत्र ॥

॥ ४. उग्र नरसिंह मंत्र ॥

ॐ उग्रं वीरं महाविष्णुं
ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्।
नृसिंहं भीषणं भद्रं
मृत्युमृत्युं नमाम्यहम्॥

भावार्थ: उग्र, वीर, महाविष्णु-स्वरूप, सर्वत्र प्रकाशमान, भीषण होते हुए भी कल्याणकारी और मृत्यु के भी मृत्यु भगवान नरसिंह को मैं प्रणाम करता हूँ।

॥ ५. नरसिंह गायत्री मंत्र ॥

ॐ वज्रनखाय विद्महे
तीक्ष्णदंष्ट्राय धीमहि।
तन्नो नृसिंहः प्रचोदयात्॥

भावार्थ: हम वज्र जैसे नखों वाले भगवान नरसिंह को जानें और तीक्ष्ण दाँतों वाले प्रभु का ध्यान करें। वे हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की प्रेरणा दें।

॥ श्री नरसिंह जी मंत्र ॥

॥ ६. श्रीमद्भागवत का नरसिंह मंत्र ॥

श्रीमद्भागवत ५.१८.८

ॐ नमो भगवते नरसिंहाय
नमस्तेजस्तेजसे आविराविर्भव
वज्रनख वज्रदंष्ट्र कर्माशयान्
रन्धय रन्धय तमो ग्रस ग्रस ॐ स्वाहा।
अभयमभयमात्मनि भूयिष्ठा ॐ क्ष्रौम्॥

॥ भावार्थ ॥

हे भगवान नरसिंह, समस्त तेज के आधार! आपको प्रणाम है। वज्र जैसे नखों और दाँतों वाले प्रभु, हमारे भीतर प्रकट हों। कर्म से बँधी आसक्तियों और अज्ञान के अन्धकार को दूर करें तथा हमारे अन्तःकरण में निर्भयता स्थापित करें।

॥ श्री नरसिंह जी मंत्र सम्पूर्ण ॥